श्रद्धा सुमन

डा. उमेश प्रताप वत्स

हे वीर पुरुष तुमको नमन
हे रण के धीर तुमको नमन
श्रद्धांजलि दे रहा यह चमन
कर स्वीकार हे पवित्र मन -2

हतप्रभ प्रत्येक, देखे अनिमेष
हो व्यथित रोये माँ भारती
कृतज्ञ जन कह भावावेश
हमें छोड़ गये ओ सारथी -2

हे धैर्यवान सच्चे सपूत
परलोक राह तज सब चले
भारत का जयघोष लगाकर
सर्वोच्च बलिदान कर तुम चले -2

हुमायूं, आशीष कर्नल मनप्रीत
हे शत्रुघन तुमको नमन
व्यर्थ न हो बलिदान तुम्हारा
कहे भारत का हर जन-मन

जन-2 के हृदय में अमर हो तुम
न विस्मृत कभी हो पाओगे
हे धीर-वीर कह 'वत्स' यही
तुम हर पल याद आओगे -2

Scanned with OKEN Scanner